ईश्वर ने हमें जीवन और धार्मिकता के लिए क्या दिया है?

2 पतरस 1:3

“क्योंकि उसकी दैवीय शक्ति ने हमें वह सब कुछ दिया है, जो जीवन और धर्म में चलने के लिए आवश्यक है, उसके ज्ञान के द्वारा, जिसने हमें अपनी महिमा और भलाई के अनुसार बुलाया।”
— 2 पतरस 1:3

ईश्वर ने हमारे ईसाई जीवन में हमें असज्जित नहीं छोड़ा। 2 पतरस 1:3 कहता है कि उन्होंने न केवल अनन्त जीवन के लिए बल्कि धार्मिक जीवन जीने के लिए भी सब कुछ पहले से ही प्रदान किया है। “उसकी दैवीय शक्ति” यह दर्शाती है कि ईश्वर सक्रिय रूप से विश्वासियों का रूपांतरण और संरक्षण करते हैं। यह पवित्रिकरण की प्रक्रिया है—जिसमें ईश्वर अपने लोगों को मसीह और पवित्र आत्मा के कार्य के माध्यम से पवित्र बनाते हैं।

ईसाई जीवन केवल अधिक मेहनत करने का नाम नहीं है, बल्कि यह उस सब कुछ को स्वीकार करने का है जो ईश्वर ने पहले ही हमें दिया है। तो, ये चीज़ें क्या हैं जिन्हें ईश्वर ने अपनी दैवीय शक्ति से हमें दी हैं, ताकि हम उनका आनंद लेने वाला जीवन जी सकें?

1. यीशु मसीह – अनन्त जीवन का वरदान (न्याय/धर्मीकरण)

सबसे पहला और मूलभूत वरदान है यीशु मसीह, ईश्वर के पुत्र, जिसके माध्यम से हम उद्धार पाते हैं।

“क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।”
— यूहन्ना 3:16

यह विश्वास द्वारा धार्मिकता की शिक्षा को दर्शाता है (रोमियों 5:1), जहाँ विश्वास करने वाले को मसीह में विश्वास के द्वारा ईश्वर के सामने धार्मिक घोषित किया जाता है। यीशु पाप रहित होने के कारण हमारे पापों का प्रायश्चित बने (1 यूहन्ना 2:2), और उनका पुनरुत्थान मृत्यु पर हमारी विजय सुनिश्चित करता है।

मसीह के बिना हम पाप में रहते हैं। परन्तु मसीह में, हम नया बन जाते हैं (2 कुरिन्थियों 5:17), ईश्वर के साथ मेल बैठ जाते हैं (रोमियों 5:10), और अनन्त जीवन का वचन प्राप्त करते हैं।

2. पवित्र आत्मा – धार्मिक जीवन के लिए शक्ति (पवित्रिकरण)

पवित्र आत्मा दूसरा आवश्यक वरदान है। जहाँ यीशु हमारे उद्धार को सुनिश्चित करते हैं, वहीं पवित्र आत्मा हमें उस उद्धार के अनुसार जीवन जीने की शक्ति देता है।

“और मैं पिता से प्रार्थना करूँगा, और वह तुम्हें दूसरा साहचर
देगा जो हमेशा तुम्हारे साथ रहेगा।”
— यूहन्ना 14:16

“इसलिए मैं कहता हूँ, आत्मा में चलो, और तुम शरीर की इच्छाओं को
पूरा नहीं करोगे।”
— गलातियों 5:16

यह पवित्रिकरण का सैद्धांतिक आधार है—एक सतत कृपा का कार्य, जिसमें पवित्र आत्मा हमें मसीह के स्वरूप में ढालता है (रोमियों 8:29)। बिना पवित्र आत्मा के हम फल नहीं ला सकते (गलातियों 5:22–23) और पाप पर विजय नहीं पा सकते।

ईश्वर ने हमें जीवन और धार्मिकता के लिए क्या दिया है ?

---

3. ईश्वर का वचन - हमारा आध्यात्मिक मार्गदर्शन (दैवी प्रकाशन)

ईश्वर ने हमें बाइबल दी, जो उनकी प्रेरित वाणी है (2 तिमुथियुस 3:16)। शास्त्र केवल इतिहास नहीं है, बल्कि यह हमारे रोज़मर्रा के जीवन के लिए एक जीवित मार्गदर्शक है।

> "संपूर्ण शास्त्र परमेश्वर से प्रेरित है और शिक्षा, ताड़ना, सुधार और धार्मिकता में प्रशिक्षण के लिए उपयोगी है।"
> — *2 तिमुथियुस 3:16*

वचन के माध्यम से हम ईश्वर की आवाज़ सुनते हैं, सुधार पाते हैं, समझ में बढ़ते हैं और आध्यात्मिक परिपक्वता विकसित करते हैं (इब्रानियों 5:13–14)। यह दैवी प्रकाशन की शिक्षा है—ईश्वर अपने आप और अपनी इच्छा को शास्त्र के माध्यम से प्रकट करते हैं।

---

4. चर्च - वृद्धि के लिए समुदाय (कलीसियोलॉजी)

ईश्वर ने हमें चर्च भी दिया है, एक आध्यात्मिक परिवार जहाँ विश्वासियों को प्रोत्साहित किया जाता है, उनका निर्माण होता है और उन्हें सेवा के लिए तैयार किया जाता है।

“आइए हम अपनी सभाओं को न छोड़ें, जैसा कि कुछ आदतन करते हैं, बल्कि एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें।”
— इब्रानियों 10:25

“अब तुम मसीह का शरीर हो, और प्रत्येक तुम्हारा हिस्सा उसमें है।”
— 1 कुरिन्थियों 12:27

चर्च कोई मानव आविष्कार नहीं, बल्कि ईश्वर की संस्था है (प्रेरितों के काम 2:42–47)। यह मसीह के शरीर के रूप में कार्य करती है और शिष्यत्व, पूजा, उत्तरदायित्व और सेवा के लिए आवश्यक है।

5. स्वर्गदूत – दैवी सुरक्षा (प्रोविडेंस और आध्यात्मिक युद्ध)

ईश्वर ने हमें स्वर्गदूतों की सुरक्षा भी दी है। स्वर्गदूत सेवा करने वाले आत्मा हैं, जो मसीह के लोगों की मदद के लिए भेजे जाते हैं।

“क्या सभी स्वर्गदूत नहीं सेवा करने वाले आत्मा हैं, जिन्हें
उद्धार के वारिसों की सेवा के लिए भेजा गया है?”

— इब्रानियों 1:14

“क्योंकि वह अपने स्वर्गदूतों को तुम्हारे बारे में आदेश देगा कि
वे तुम्हें सभी मार्गों में सुरक्षित रखें।”
— भजन संहिता 91:11

यह ईश्वर की प्रोविडेंस को दर्शाता है—उनकी सतत देखभाल और संरक्षण। यद्यपि हम उन्हें अक्सर नहीं देखते, वे आध्यात्मिक युद्ध और दैवी सुरक्षा में कार्य करते हैं।

क्या आपने ये सभी वरदान स्वीकार कर लिए हैं?

ईश्वर ने ये संसाधन हर विश्वासयोग्य के लिए उपलब्ध कर दिए हैं। लेकिन मुख्य बात यह है: इन्हें विश्वास से स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इनमें से कोई भी आपके जीवन में नहीं है, तो आपकी आध्यात्मिक वृद्धि बाधित होगी।

यीशु के माध्यम से उद्धार? उपलब्ध।
पवित्र आत्मा? भरने के लिए तैयार।
बाइबल? हर जगह सुलभ।
चर्च? खुला और सक्रिय।

स्वर्गदूतों की सुरक्षा? निरंतर।

“किन्तु जितनों ने उसे स्वीकार किया, अर्थात् जिन्होंने उसके नाम
पर विश्वास किया, उन्होंने परमेश्वर के बच्चों बनने का अधिकार
पाया।”
— यूहन्ना 1:12

कैसे प्रतिक्रिया दें:

1. यीशु पर विश्वास करें – उनके क्रूस पर किए गए काम पर भरोसा करें।
2. पाप से पश्चाताप करें – अपने जीवन को मसीह के प्रति समर्पित करें।
3. बपतिस्मा लें – मसीह के आदेश का पालन करें (प्रेरितों के काम 2:38)।
4. पवित्र आत्मा प्राप्त करें – ईश्वर से उनकी शक्ति भरने की प्रार्थना करें।
5. बाइबल-विश्वास करने वाले चर्च में शामिल हों – संगति और सेवा में बढ़ें।
6. प्रतिदिन शास्त्र पढ़ें – वचन से मन को नया बनाएं।
7. आत्मविश्वास के साथ चलें – यह जानते हुए कि ईश्वर आपकी रक्षा और मार्गदर्शन कर रहे हैं।

ईश्वर की दैवीय शक्ति ने सब कुछ उपलब्ध करा दिया है। अब आपकी बारी है—जो कुछ उन्होंने दिया है उसे स्वीकार करें, आज्ञाकारिता में चलें, और उस जीवन को जियें जो ईश्वर ने जीवन और धार्मिकता से पूर्ण बनाने के लिए बनाया है।

> “उसकी दैवीय शक्ति ने हमें वह सब कुछ प्रदान किया है जो हमें चाहिए *...”*
> — *2* पतरस *1:3*

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें और आपकी वृद्धि में मार्गदर्शन करें।

Share on:
WhatsApp

Print this post